



बड़ किरण

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

लेखक
सुशील कुमार सिंघल
तनिष्का अग्रवाल



**PETERSON
PRESS**

A UNIT OF
NAMAN PUBLISHING (INDIA) PVT. LTD.

2



PETERSON PRESS

(A unit of Naman Publishing (INDIA) Pvt. Ltd.)
Behind Silver Line School,
Laxmipuram, Rajpur Chungi, Agra-282001
Regd. Office : 7/209, Tulsi Chabootra, Taj Ganj, Agra
Mobile : +919837004559, 9927094441
Telefax : 0562-2481926
e-mail : namanpublishing@yahoo.com

New Edition

© All rights reserved.

No part of this book may be reproduced or copied in any form or by any means (graphic, electronic or mechanical, including photocopying, recording, taping, or information retrieval system) or reproduced on any disc, tape, perforated media or other information storage device, etc., without the written permission of the publishers.

Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice and it shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publishers nor the author or seller will be responsible for any damage or loss of any kind, in any manner, therefrom.

Written by :
Sushil Kumar Singhal
(M.A., M.Com., B.Ed., NET)

Designed by :



The contents, transparencies, illustrations and layout of this book are the sole property of Peterson Press, Agra and are copyrighted. Any reproduction in whole or in part in any form what so ever is strictly prohibited.



मन की बात

प्रिय पाठकवृन्द,

'नई किरण' पाठ्य-पुस्तक की रचना करते समय हमने पहले अनेक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। फिर अपने विभिन्न सुधीजनों, टीम के सदस्यों, बच्चों की मनोदशा आदि पर भली प्रकार से विचार किया। इन सभी बिंदुओं पर विचार कर एक नया प्रयास किया गया जिसका रूप आपके सामने है। इस पाठ्य-पुस्तक के निर्माण में हमने नवीनतम राष्ट्रीय पाठ्यचर्या NCERT एवं CBSE द्वारा निर्धारित पद्धति का पूर्णरूपेण ध्यान रखा है। साथ ही साथ हमारा यह भी प्रयास रहा है कि बच्चों को उनकी प्राचीन परंपराओं से जोड़ते हुए उनका परिचय नए विचारों से भी कराया जाए ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी आधुनिकता की नई ऊँचाइयों को छू सकें।

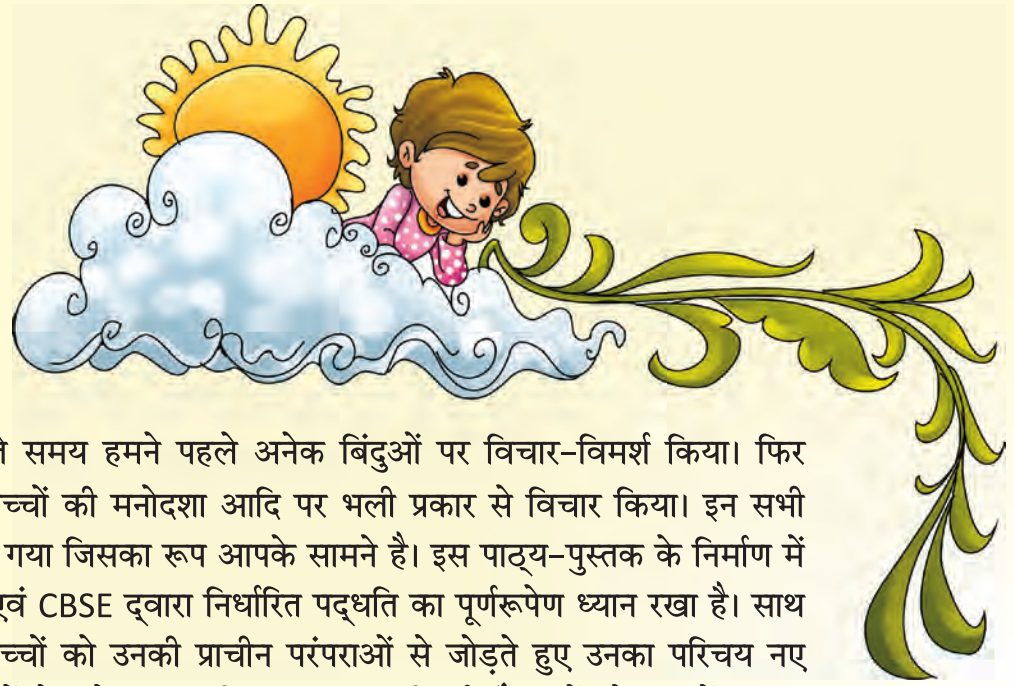
विद्यालय में प्रवेश लेते ही बच्चों को उसके वातावरण के साथ ताल-मेल बनाना होता है जिससे सीखने की प्रक्रिया सरल और सुगम हो सके। पठन के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाने हेतु इस शृंखला में विषय-वस्तु का चयन ज्ञान और मनोरंजन-दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है। पुस्तक पठन, केवल वर्णमाला के अक्षरों और मात्राओं को सीखना ही नहीं अपितु सुनना-बोलना, पढ़ना-लिखना, सोचना-समझना जैसे कौशलों का विकास करना भी है।

● 'नई किरण' हिंदी पाठमाला भाग 1 से 5 की कतिपय विशेषताएँ

- बस्ते का बोझ कम करने हेतु पाठ्य-पुस्तक तथा अभ्यास-पुस्तिका का मिला-जुला रूप।
- प्रतिदिन के अनुभवों से जुड़ी तर्कशक्ति तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली रोचक विषय-वस्तु।
- पठन के प्रति रुचि जगाने के लिए आकर्षक, मनमोहक चित्रकथाएँ एवं लेख।
- बच्चों के स्तरानुरूप कहानी, कविता, एकांकी, घटना-वर्णन आदि से परिचय।
- भाषा में रुचि बढ़ाने हेतु अतिरिक्त पठन-सामग्री-मौज-मस्ती का समावेश।
- सरल परिभाषाओं के अतिरिक्त व्याकरण के व्यावहारिक पक्ष पर बल।
- प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में पाठ चर्चा... के रूप में पाठ के पठन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना।
- शिशुओं के मूल्यांकन हेतु दो प्रश्नपत्र नए कलेवर में।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि नई किरण का नया प्रकाश बच्चों का मार्गदर्शन कर पाठकवृन्द की रुचि का केंद्र-बिंदु बनकर हमारे प्रयास को सफल करेगा। आपके बहुमूल्य सुझावों की हमें सदैव प्रतीक्षा रहेगी।

-लेखक एवं प्रकाशक





पाठ-क्रम

सबका साथ, सबका विकास (केवल पठन हेतु) 6

- | | | |
|---------------|------------|----|
| 1. मीठी बोली | कविता | 8 |
| 2. साहसी पूजा | सच्ची घटना | 13 |
| 3. आसमान गिरा | कहानी | 18 |
| 4. समय-पालन | निबंध | 24 |

कहाँ सोऊँ, कैसे.... (केवल पठन हेतु) 30

- | | | |
|--------------------|-------|----|
| 5. हमारे त्योहार | कविता | 32 |
| 6. मेहनत का फल | कहानी | 38 |
| 7. बीरबल की चतुराई | कहानी | 43 |

स्वमूल्यांकन प्रपत्र-1 49

- | | | |
|-----------------|---------------|----|
| 8. निडर नरेंद्र | प्रेरक प्रसंग | 51 |
|-----------------|---------------|----|

जल ही जीवन (केवल पठन हेतु) 57

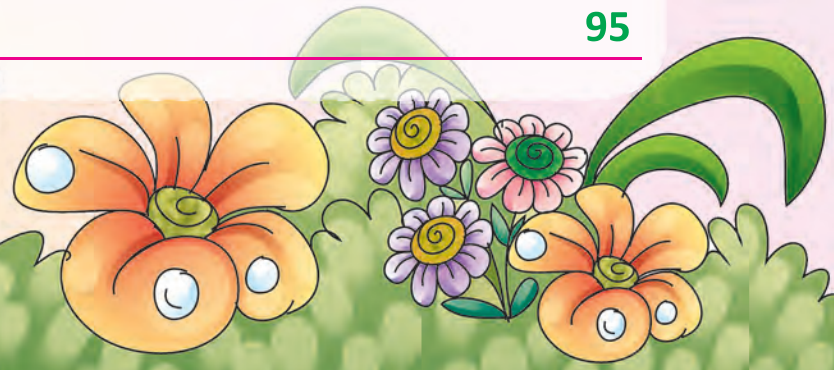
- | | | |
|---------------------|-------|----|
| 9. गुलमोहर का पेड़ | कविता | 58 |
| 10. आओ, केक बनाएँ | संवाद | 62 |
| 11. आत्मनिर्भर बनो | कहानी | 69 |
| 12. सुभाष चंद्र बोस | जीवनी | 74 |

मेरी बगिया (केवल पठन हेतु) 81

- | | | |
|-----------------|--------|----|
| 13. स्वच्छ भारत | कविता | 82 |
| 14. छिपा खजाना | लोककथा | 87 |

समझदार बिल्लियाँ (केवल पठन हेतु) 94

स्वमूल्यांकन प्रपत्र-2 95



पुस्तक : एक नज़र में...



मौज-मस्ती
(केवल पठन हेतु)



अभ्यास



मौखिक कार्य.....



लिखित कार्य.....



भाषा की बात.....



विचार-कौशल.....



रचनात्मक कार्य.....

1 मीठी बोली

पाठ चर्चा : कोणता और सुन्दर के लक्षण में कवि पीठी बोली अर्थात् चतुर कवन बोलने का महत्व बता रहा है।

काली कोयल बूक रही है,
मिसरी-सी कानों में घोल रही है।
इसकी बोली कितनी प्यारी,
सबको यह लगती है न्यारी।

कॉय-कॉय करता कौआ,
दूर-दूर की खबर है लाता।
आ रहा है कोई अतिथि,
हमको यह बतलाता।

बुलबुल मीठा गाना गाती,
सबका दिल है बहलाती।
सुंदर-सुंदर पंख पसारे,
दूर देश तक है जाती।

बच्चों सबसे मीठा बोलो,
सबके प्यारे बन जाओगे।
बन जाएंगी विगाही बाले,
काम सभी के लूम आओगे!

4 समय-पालन

पाठ चर्चा : बच्चों! हमारे जीवन में समय का बहुत महत्व है। जो बच्चे अपना सही समय पर बर्तन करते हैं, वे महान होते हैं।

समय-पालन की शिक्षा हमें सूरज से लेनी चाहिए।
सूरज रोज सवेरे अपने निर्धारित समय पर ही निकलता है और संध्या समय अपने समय पर ही छिपता है। वह उठने और छिपने में कभी कोई गलती नहीं करता।

इसी तरह मुरगा एक पक्षी होते हुए भी हमें समय-पालन की प्रेरणा देता है। जानते हो, कैसे? वह रोज सवेरे बौंग देता है। ठीक समय पर बौंग देकर वह लोगों को बताता है कि सवेरा हो गया है। अब सोचो मत! आलस्य और नींद की गोद से उठकर खड़े हो जाओ।

इसी तरह, फूल अपने समय पर ही खिलते हैं। समय पर ही वृक्षों पर फल लगते हैं, समय पर ही पानी बरसता है और समय पर ही मौसम आते-जाते हैं। अपने घर में कमरे की दीवार पर लटक की पड़ी को देखो। वह भी हमें

7 बीरबल की चतुराई

पाठ चर्चा : प्रसन्न कहानी में बीरबल की चतुराई और इतिहासकारों की दरवाजा गलत है। विवेक से अपने बीरबल की इतिहासकारों के अनेक किस्से सुनें। इस कहानी को पढ़कर ज्ञान कि कैसे बीरबल ने बादशाह को उनसे गलती का एहसास कराया.....

एक बार की बात है। बादशाह अकबर ने बीरबल को आदेश दिया कि राज्य से तीन महामुखें ढूँढकर लाओ। राजा की आज्ञा मानकर बीरबल दरबार से उठकर तीन महामुखें ढूँढने निकल पड़े। अभी बीरबल कुछ दूर ही गए थे कि उन्हें एक घुड़सवार मिला। वह घोड़े पर बैठा चला आ रहा था। उसके सिर पर लकड़ियों का गट्टर था। बीरबल ने पूछा, "अरे! यह गट्टर सिर पर क्यों रखा है? घोड़े पर क्यों नहीं रखते?" वह आदमी बहुत ही मासूमियत से बोला, "घोड़ा बहुत कमजोर है, दीवान जी। मेरा ही वजन यह नहीं सँभाल पा रहा है। अगर गट्टर का वजन भी इसी पर रख दूँगा, तो यह बेचारा मर ही जाएगा।" बीरबल नए घोड़े का लालच देखकर उस मूर्ख को अपने साथ लेकर चल दिए।

मौज-मस्ती (केवल पठन हेतु)

जल ही जीवन

बच्चों! जल ही जीवन है। यह बात बिलकुल सत्य है क्योंकि जल के बिना जीवन संभव ही नहीं है। अतः हमें जल का मूल्य समझना चाहिए। आहार, जल के उपयोग के बारे में जानें....

जल ही बचत के उपाय

- जल को सँभाल कर रखें।
- नल को खुला मत छोड़ें।
- इसे धरम नहीं बहने दें।

जल सौच

- जल न मिलने पर जलोय जीव किस प्रकार जीवित रहेंगे?
- आप स्नान कर रहे हैं। आपके शरीर पर साबुन लगा है। अचानक टॉटी से पानी आना बंद हो जाए?
- आपको तेज प्यास लगी है और टॉटी से पानी नहीं आ रहा, तो क्या होगा?

13 स्वच्छ भारत

पाठ चर्चा : प्रसन्न कहानी में बताया गया है कि हम घरों के लिए स्वयं खाद-पदार्थों से खाद और अपने आस-पास खाद-पदार्थों रखना बहुत जरूरी है। आओ, संकल्प करें कि हम स्वयं निष्कारक भारत को स्वच्छ बनाएँ।

नेहा ने केला खाया,
खाकर छिलका वहीं गिराया।
तभी वहाँ इक चिड़िया आई,
सिर पकड़कर चढ़ इल्ललाई।

अपनी चोंच खोल चिड़िया उस छिलके को तुरंत उठाया।
छिलका कूड़ेदान में डाला,
प्यार से नेहा को समझाया।

सामूह्यप्राशन प्रश्न-२

प्रश्न १ से १५ तक

चिंतन

- मौजूद खतरा हो खतों (क. जी. क.) में किस पक्ष है.
- पक्षि खत में उड़ने पर हम क्या करना चाहेंगे?
- पक्षी खतों को खतों पर सुरक्षित रखें।

प्रश्न १ से १५ तक

1. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

2. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

3. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

4. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

5. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

6. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

7. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

8. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

9. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

10. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

11. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

12. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

13. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

14. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ

15. कौन सा पक्षी है, जो पानी में रहता है?

क. चिड़िया ख. कबूतर ग. कौआ घ. कौआ